http://www.elearninginfo.in

TDC SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
DSC -101
Credit - 3

HINDI SAHITYA KA ITIHAS

हिंदी साहित्य का इतिहास

(रीतिकाल तक)

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्येतिहास के आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक की विभिन्न परिस्थितियों, प्रवृत्तियों से परिचित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल के विभिन्न कवियों, काव्य-धाराओं एवं इनके विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

इकाई एक : साहित्येतिहास लेखन

1.1- हिंदी साहित्य के इतिहास में काल - विभाजन एवं नामकरण की समस्या (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल के संदर्भ में)।

1.2- आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक)

1.3 - आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण (सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य तथा रासो साहित्य एवं लौकिक साहित्य) तथा उसका सामान्य परिचय ।

1.4 - आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ |

इकाई दो : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

2.1 - भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, आर्थिक, आर्थिक, धार्मिक एवं दार्शनिक)

2.2- भक्ति आंदोलन के उदय के कारण ।

2.3- भक्ति आंदोलन के प्रमुख वैचारिक पक्षों का सामान्य परिचय |

इकाई तीन : निर्गुण भक्तिकाव्य परंपरा

3.1- निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ । निर्गुण ज्ञानमार्गी संत कविं कबीरदास ।

3. 2- निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ । निर्गुण प्रेममार्गी कवि के रूप में मलिक मुहम्मद जायसी ।

इकाई चार : सगुण भक्तिकाव्य परंपरा

4.1 - रामभक्ति काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ । रामभक्त काव्य परंपरा में कवि तुलसीदास का वैशिष्ट्य ।

4.2 - कृष्ण भक्ति काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं कृष्णभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ अष्टछाप एवं कवि सूरदास । कृष्ण भक्त कवि के रूप में रसखान एवं कवयित्री मीराबाई ।

इकाई पाँच : रीतिकालीन काव्य :

5.1- रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक एवं दरबारी, सामाजिक, सांस्कृतिक,धार्मिक एवं साहित्यिक) एवं रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय ।

5.2- रीतिकाल के प्रमुख कवियों (केशवदास, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानंद एवं भूषण का सामान्य परिचय | रीतिवादी एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का

उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : DSC 101: हिदी साहित्य का इतिहास – (रीतिकाल तक)

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ० शंभूनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
4. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2, : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी ।
5. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
6. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं०), साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
8. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ० कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
10. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
11. भक्ति काव्य का समाज दर्शन: प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
12. मन खंजन किसके : मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ वाणी प्रकाशन, न. दि. ।
13. मध्यकालीन कवि और कविता: रतन कुमार, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53
14. भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्त काव्य : सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर, उ.प्र. ।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
16. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द (सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा - 1
18. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
19. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली